NJSS और लोक समिति का त्रैमासिक रिपोर्ट

अप्रैल मई जून २००८

स्थाई केन्द्र नागेपुर हरसोस ⟹ इन दोनो केन्द्र पर ३० अप्रैल तक स्कूल चला.१ मई से ८ मई तक दोनों केन्द्र पर वार्षिक परीक्षा का आयोजन किया गया.आशा सामाजिक विद्यालय में कक्षा ५ में पढ़ने वाले सभी बच्चों का जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी से मिलकर सरकारी स्कूल मे परीक्षा दिलाया गया.सभी बच्चों का रिजल्ट २० मई को वितरित किया गया.२० मई से २५ जून तक सभी विद्यालय बंद रहे. २५ जून से नये सत्र को प्रारम्भ किया गया.

NFE और किशोरी चेतना केन्द्र ⟹ हरसोस नागेपुर कल्लीपुर सैंदा का अनौपचारिक शिक्षण केन्द्र नियमित और ठीक चल रहा है. २० जून से नागेपुर हरसोस कल्लीपुर भीमचण्डी बेनीपुर मेंहदीगंज और बिरभानपुर किशोरी चेतना केन्द्र पर सिलाई कढाई की शुरूआत किया गया.इन सभी केन्द्रो पर दो दो सिलाई मशीन की व्यवस्था किया गया है.अभी सभी केन्द्र ठीक चल रहा है लेकिन नागेपुर के सेन्टर की टीचर को चले जाने से यह केन्द्र अभी बंद है.राजातालाब का सिलाई केन्द्र भी ठीक चल रहा है.

प्रशिक्षण एवं बैठकें ः २५ मई से ३० मई तक ६० किशोरी बच्चियों को ग्रष्मकालीन प्रशिक्षण कार्यक्रम चलाया गया. जिसमें बच्चियों को पेंटिग ब्युटिशियन गाना डान्स मेंहदी लगाना आदि के बारे मे जानकारी दिया गया.

स्वमं सहायता समूह और संगठन की १०० महिलाओं के लिये दो बार प्रशिक्षण कार्यक्रम चलाया गया और स्वास्थ्य और पंचायत संगठन के बारे मे बताया गया.प्रत्येक महिने कायर्कताओ टीचरो और गॉव के लोगो के साथ बैठक किया गया.

स्वास्थ्य कार्यक्रमः १५ अप्रैल को आशा सामाजिक विद्यालय मे ऑख का स्वास्थ्य शिविर लगाया गया.जिसमे सभी बच्चों के ऑख की जॉच किया गया. जॉच मे पाया गया कि अधिकांश बच्चो मे विटामिन ए की कमी है.उसके लिए उन्हे विटामिन ए की गोलियॉ और एक्वासॉल की इन्जेक्शन दिया गया.

१९मई को शाह हास्पिटल के सौजन्य से फिर स्वास्थ्य शिविर लगाया गया.जिसमे ग्रमीणो और बच्चो की जॉच किया गया.

कालीदास के ऑख का आपरेशनः ५५ वर्ष का कालीदास नागेपुर का रहने वाला है.उसको ऑख की बिमारी के कारण पिछले २० वर्ष से कुछ भी दिखाई नही देता था. जिसके कारण वह कुछ भी नही कर सकता था. गरीब परिवार होने के कारण पैसे के अभाव मे उसका इलाज ठीक से नही किया गया. परिवार वाले यह मान लिए थे कि कालीदास के ऑख की रोशनी सदा के लिए चला गया अब वह कभी नही देख सकेगे.लेकिन एक दिन लोक समिति के साथी उसके घर गये और उन्हे एक बार फिर से जॉच शिविर मे आकर जॉच कराने का आग्रह

किया.कालीदास स्वास्थ्य शिविर मे आए और अपनी ऑख का जॉच कराया. डाक्टरो ने कहा कि अगर इनका आपरेशन किया जाय तो सम्भव है कि ये फिर से देख सकते है हमलोंगो ने परिवार वालो से उनका आपरेशन का आग्रह किया लेकिन परिवार के लोग तैयार नही थे.खुद कालीदास जी भी अपना आपरेशन कराना नही चाहते थे साथियों ने काफी समझाकर कालीदास और परिवार के लोगो को आपरेशन के लिए राजी किया.२० मई को कालीदास का सफल आपरेशन मशहूर नेत्र चिकित्सक डा० सुनील शाह ने निःशुल्क किया. आज कालीदास के दोनो ऑख की रोशनी वापस आ गयी है और वह पुरी तरह से देख पा रहे है.

सीतामनी का आपरेशन ः इसी तरह से सीतामनी मेहदीगंज की रहने वाली ३२ वर्षीय महिला है.सीतामनी का पति श्यामनारायण एक बुनकर है उसके पास ५ बच्चें है.यह परिवार बहुत ही गरीब है.एक वर्ष पूर्व सीतामनी के पेट मे दर्द की समस्या हुई.उसने राजातालाब के एक स्थानीय डाक्टर को दिखाया.डाक्टर ने बताया कि आपके पेट मे पथरी है जिसका आपरेशन कराना पड़ेगा.किसी तरह से सीतामनी का पति कर्ज लेकर पैसे की ब्यवस्था की और सीतामनी का आपरेशन उसी डाक्टर से कराया.लेकिन डाक्टर की एक लापरवाही ने सीतामनी की जिन्दगी बर्बाद कर दी.हुआ यह कि आपरेशन करते समय डाक्टर ने सीतामनी के पेशाब और लैट्रिन की नली को एक कर दिया जिसके कारण सीतामनी के लैट्रीन का रास्ता बंद हो गया और पिछले एक वर्ष से उसका पेशाब और लैट्रिन दोनो एक ही रास्ता पेशाब नली से हो रहा था.जिसके कारण सीतामनी आपरेशन के बाद कुछ भी नही खा पा रही थी और केवल पानी या दूध मे बिस्कुट घोलकर पी रही थी.

इसकी शिकायत उसके पति ने डाक्टर से किया और उसका इलाज पुनः कराने की मॉग की तो डाक्टर काफी नाराज हो गया और यह कहकर उसके पति को भगा दिया कि जाओ हम उसका इलाज अब नही करेंगे.जब उसके पति ने इलाज के लिए डाक्टर से पैसे और मुआवजे की मॉग किया तो डाक्टर ने उसके रिस्तेदारो के उपर दबाव बनाकर मामले को रफा दफा कर दिया.और निराश सीतामनी जिन्दगी और मौत से जुझते हुए मौत का इन्तजार करने लगी.क्योंकि उसके इलाज के लिये उसके पास कुछ अब भी नही बचा था. एक दिन गॉव वालो को उसके बारे में पता चला.गॉव के लोग सीतामनी के पति को लेकर लोक समिति कार्यालय में आये.सीतामनी के पुनःइलाज की कोशिश की गयी.

गॉव के लोगो ने भी करीब ६ हजार रूपये चंदा एकत्र किया.फिर से सीतामनी को बी०एच०यू० अस्पताल में भर्ती कराया गया.लोक समिति के साथियों ने गॉव वालो के साथ उस डाक्टर से सम्पर्क किया जिसनें सीतामनी का पहले आपरेशन किया था और उनपर इलाज का सारा पैसा वहन करने का दबाव बनाया. काफी प्रयास के बाद डाक्टर ने २० हजार रूपये देने को तैयार हुआ.१४जून को सीतामनी का फिर से बी०एच०यू० मे सफल आपरेशन किया गया.डाक्टर द्वारा दिया गया २० हजार के अलावा बाकी पैसा जनसहयोग से जुटाया गया.लोक समिति के नन्दलाल मास्टर सुरेश अजय पटेल प्रदीप कुमार ने आपरेशन के समय खून भी दिया.आज सीतामनी ठीक तो है लेकिन समय से उसका इलाज न होने के कारण उसे दुसरे प्रकार की गम्भीर बिमारी हो गयी है जिसका फिलहाल इलाज अभी चल रहा है.और सीतामनी आज भी बिस्तर पर है.

सीतामनी के कहानी से पता चलता है कि आज भी न जाने कितने गरीब परिवार पैसे के अभाव मे झोलाछाप डाक्टर के पास इलाज के लिए जाते है और इन डाक्टरो की लापरवाही के कारण मौत के मुह मे समा जाते है.

ः अन्य कार्यक्रम ः

सामूहिक शादी ः १० मई को ३० जोड़ो का बिना दहेज के गरीब परिवारो का जनसहयोग से सामूहिक शादी कराया गया.शादी के लिए लोक समिति के सभी कार्यकर्ता करीब एक माह से चंदा एकत्र कर रहे थे.कुल २ लाख ३६ हजार रूपये का सामान अनाज एवं पैसा जुटाया गया.जिससे सभी जोड़े को एक एक साईकिल घड़ी सिलाई मशीन साड़ी कपड़े आदि गृहस्थी का सामान उपहार में दिया गया.शादी समारोह में आये करीब तीन हजार घराती एवं बारातीयों को भोजन कराया गया.

पर्यावरण दिवस पर धरना एवं प्रर्दशन ः ५ जून ०८ को विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर जिला मुख्यालय कचहरी पर पानी एवं पर्यावरण सुरक्षा की मॉग को लेकर धरना प्रदर्शन किया गया. ५ जून को ही सम्पूर्ण क्रान्ति दिवस भी मनाया जाता है इसलिए पर्यावरण सुरक्षा के साथ साथ रोजगार गारंटी कानून सूचना का अधिकार कानून को प्रभावी ढंग से लागू कराने आदि मुद्दो पर भी जिला प्रशासन से मॉग किया गया. कार्यक्रम मे करीब ४०० महिला पुरूष शामिल रहे. इससे पहले वाराणसी शहर मे एक जुलुस भी निकाला गया.

दिवाल लेखन कार्यक्रम ः मई माह मे क्षेत्र के बिभिन्न जगहो पर शिक्षा स्वास्थ्य नरेगा सूचना का अधिकार कोका कोला के खिलाफ तथा पानी समस्या आदि विषयो से सम्बन्धित नारे लिखा गया.

रोजगार गारंटी कानून पर कार्यक्रम ः नरेगा योजना के तहत २० गॉवो मे जॉब कार्ड बनाने के लिए सघन रूप सर्वे का कार्य किया गया.और इच्छुक काम करने वाले मजदुरो को जॉब कार्ड बनाने मे मदद किया गया.अभी हमलोग सघन रूप से मजदुरो और रोजगार सेवको का संगठन बनाने का प्रयास कर रहे.इसके लिए ब्यापक पैमाने पर गॉव गॉव मे बैठके चल रहा है.

निःशुल्क प्याऊ ः इस वर्ष गर्मियों में पॉच स्थानो पर स्टाल लगाकर राहगीरो को पानी पिलाया गया. यह कार्यक्रम बिगत तीन वर्ष से लगातार चल रहा है. क्षेत्र के राजातालाब हरसोस बेनीपुर जन्सा और भैरवतालाब बाजार में ये प्याऊ लगाये गये जहॉ पानी के अभाव मे आम जनताा या तो पानी खरीद कर पीती है या पेप्सी कोका कोला पीने को मजबुर होती है.लेकिन अब लोग धीरे धीरे कोलड्रिंक्स पीना छोड़ रहे है. आन्दोलन के प्रभाव से आम जनता अब समझ रही है कि पानी से जीवन है इसका बाजारीकरण नही होना चाहिए.

कलामंच का कार्यक्रम ः उपर्युक्त कार्यक्रम में समय समय पर कलामंच के साथियों ने गति एवम नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत किया.लेकिन बहुत ज्यादा नुक्कड़ नाटको की प्रस्तुती नही हो पाया.

अतिथि आगमन ः दिनॉक १० जून को आशा अमेरिका से सिरिश अग्रवाल एवं लखनऊ से अनुराग जी ने आशा राजातालाब और लोक समिति के काम को देखा. और रोजगार गारंटी योजना के बारे मे क्या चल रहा है इसको भी क्षेत्र मे जाकर देखा.

२८ जुन को आशा बंगलौर के राम भाई ने बंगलौर के पास चल रहे स्कूल के १० बच्चों के साथ आशा सामाजिक स्कूल नागेपुर आये और यहाँ पर चल रहे कार्यक्रमो को देखा.

उपर्युक्त कार्यक्रमो के अलावा आशा की अर्द्धवार्षिक बैठक एन०ए०पी०एम० का राष्ट्रीय सम्मेलन तथा अन्य कार्यक्रमो मे भागीदारी रही.

आशा शिकागो से मिले पैसे का तीन माह का हिसाब खर्च

क्रम संख्या	खर्च का बिवरण	खर्च राशि रूपये में
1	आशा शिकागो से प्रथम किस्त मे प्राप्त धनराशि 8 अप्रैल	170104.00
2	मानदेय मे खर्च	118450.00
3	८ सिलाई मशीन मे खर्च	22400.00
4	फोन इन्टरनेट	5013.00
5	पेट्रोल और यात्रा खर्च	8596.00
6	ट्रेनिंग खर्च किशारी और महिला संगठन के लिए	4793.00
7	टाटपट्टी चाक टैक्स बुक	2150.00
8	किशोरी टिचिंग मैटेरियल	3000.00
9	स्टेशनरी खर्च	1250.00
10	आफिस खर्च समाचार पत्र फोटो कापी फाईल आदि	2100.00
11	स्टेशनरी खर्च	550.00
12	अन्य खर्च	186.00
13	तीन माह का टोटल खर्च	168488.00
14	शेष राशि	1616.00

आगामी तीन माह का कार्यक्रम : जुलाई अगस्त सितम्बर

NREGA पर कार्यक्रम : नरेगा के रोजगार सेवको का संगठन बनाना

गॉव गॉव मे मजदुरो का सर्वे करना जॉब कार्ड काम के लिए आवेदन बनाना तथा मजदुरो का संगठन बनाकर नरेगा योजना को ठीक से लागू कराना.

रोजगार सेवको का प्रशिक्षण अगस्त मे तथा नरेगा मजदुरो का सम्मेलन सितम्बर मे.

२७ जुलाई को स्वास्थ्य जॉच शिविर का आयोजन करना.

सूचना अधिकार पर शिविर लगाना

मंहिला कजली सम्मेलन अगस्त में

टीचर ट्रेनिंग तथा महिला स्वमं सहायता समूह की ट्रेनिंग अगस्त सितम्बर में

सभी शिक्षण केन्द्र को जुलाई माह नये सत्र से ठीक से चलाना.

कोका कोला द्वारा बनाये गये रेन वाटर हारवेस्टिंग का सर्वे करना एवं प्रशासन से पत्राचार करना.

सभी केन्द्रो पर बच्चों एवं गॉव के लोगो के साथ स्वतन्त्रता दिवस मनाना.

दो नये स्वमं सहायाता समूह का निर्माण करना.

किशोरी केन्द्र पर सिलाई केन्द्र का सुभारम्भ करना.

नंदलाल मास्टर